RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 40 | जौनपुर सोमवार, 22 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षाबलों ने जेएंडके में आतंकवाद के खिलाफ चलाया अभियान,

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शनिवार को आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रहा, जबकि पुंछ जिले में संयुक्त बलों ने एक अन्य अभियान में युद्ध के सामान जैसे हथियार और गोला–बारूद बरामद किए। नागराटो स्थित भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, आतंकवादियों से मुठभेड़। किश्तवाड़ के इलाके में इंटेलिजेंस के आधार पर किए गए ऑपरेशन में व्हाइट नाइट कॉर्प्स की सतर्क टुकड़ियों ने 19 सितंबर 2025 को रात 8 बजे के करीब आतंकवादियों से संपर्क किया। गोलीबारी हुई। ऑपरेशन अभी भी जारी है। पूंछ जिले में एक अन्य संयुक्त अभियान में युद्ध के सामान जैसे हथियार और गोला–बारूद बरामद किए गए। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक्स पर एक दूसरे पोस्ट में लिखा, संयुक्त ऑपरेशन 7 युद्ध सामग्री बरामद। इंटेलिजेंस के आधार पर जेकेपी के साथ संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान व्हाइट नाइट कॉर्प्स के सैनिकों ने पुंछ सेक्टर में एक हथियार (एके सीरीज), चार एके मैगजीन, 20 हैंड ग्रेनेड और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की। सर्च ऑपरेशन जारी है। जम्मू– कश्मीर में संयुक्त सेनाएं आतंकवादियों, उनके सहयोगियों और समर्थक तत्वों के खिलाफ लगातार बड़े पैमाने पर अभियान चला रही हैं। ड्रग और ड्रग्स बेचने वाले भी संयुक्त सुरक्षा बलों के रडार पर हैं, क्योंकि खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ड्रग स्मगलिंग और हवाला मनी रैकेट से इकत्र्रा किया गया ।

चुनाव आयोग का बड़ा ऐक्शन, 808 गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन खत्म

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गैर–मान्यता प्राप्त पंजीकृत राजनीतिक दलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 474 दलों का पंजीकरण रद्द कर दिया है। इससे पहले अगस्त में भी आयोग ने 334 दलों का रजिस्ट्रेशन समाप्त किया था। इस तरह, केवल दो महीनों के भीतर कुल 808 राजनीतिक दलों का पंजीकरण खत्म किया जा चुका है। क्यों हुई कार्रवाई? जनप्रतिनिधि त्व अधिनियम, 1951 के अनुसार, किसी भी पंजीकृत राजनीतिक दल को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेना अनिवार्य है। यदि कोई दल लगातार 6 साल तक चुनावों से दूर रहता है, तो उसका पंजीकरण रद्द कर दिया जाता है। चुनाव आयोग ने इन्हीं नियमों के तहत यह कार्रवाई की है। गौरतलब है कि पंजीकृत राजनीतिक दलों को टैक्स छूट समेत कई तरह की रियायतें मिलती हैं। कई दल बीते 6 वर्षों से चुनाव नहीं लड़ रहे थे, लेकिन फिर भी इन रियायतों का लाभ उठा रहे थे। ऐसे दलों पर अब आयोग ने शिकंजा कस दिया है। चुनाव आयोग ने 2019 के बाद से ही ऐसे निष्क्रिय दलों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया था।

आगामी पर्व-त्योहारों पर लोगों की सुरक्षा, सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए : योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन आगामी 22 सितंबर से प्रदेशव्यापी 'मिशन शक्ति 5.0' की शुरुआत होगी। चरणबद्ध रूप से यह अभियान एक माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी संबंधित विभाग तैयारियां सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आगामी पर्व और त्योहारों को लोग हर्ष उल्लास के साथ मनाएं और इस दौरान जनता की सुरक्षा एवं सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में आगामी

पर्व–त्योहारों के सुचारु आयोजन, स्वच्छता, बेहतर कानून व्यवस्था आदि महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में शासन–प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कांफ्रेंसि के माध्यम से समस्त मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, अपर पुलिस महानिदेशक (जोन), समस्त पुलिस आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक आदि वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता रही। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी अपर मुख्य सचिवध्प्रमुख सचिव से त्योहारों के दृष्टिगत उनकी विभागीय तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का मिशन शक्ति कार्यक्रम नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन को व्यक्त करता है। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन आगामी 22 सितंबर से प्रदेशव्यापी 'मिशन शक्ति 5.0' की शुरुआत होगी। चरणबद्ध रूप से यह अभियान एक माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि इसके संबंधित विभाग तैयारियां सुनिश्चित करें।

गाली देने वालों को जनता चुनाव में हराए : अमित शाह

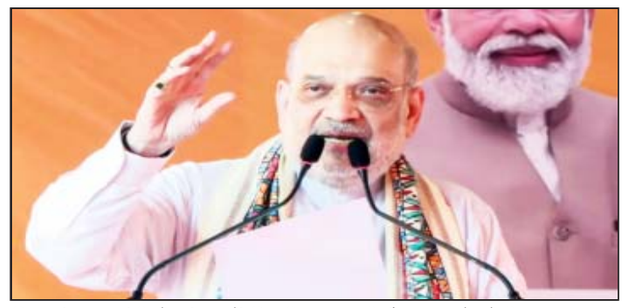

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि राजनीति में अपशब्दों का इस्तेमाल लोकतंत्र को कमजोर करता है और जनता को ऐसे नेताओं को चुनाव के जरिए सबक सिखाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि विपक्ष अब संसद जैसे संवैधानिक मंच की बजाय सड़क पर बहस करना चाहता है। अमित शाह ने एक इंटरव्यू में कहा कि जब विपक्ष को मोदी सरकार में भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं मिलता, तो वह गाली–गलौज पर उतर आता है। उन्होंने याद दिलाया कि यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां को भी अपमानित किया गया। शाह ने जनता से अपील की कि ऐसे नेताओं को वोट की ताकत से बाहर का रास्ता

दिखाएं। गृह मंत्री ने संसद में विपक्षी दलों के रवैये को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि संसद देश की सबसे बड़ी चर्चा का जगह है, लेकिन विपक्ष शुरुआत से अंत तक केवल हंगामा करता है और फिर कहता है कि उन्हें बोलने का मौका नहीं मिला। शाह के मुताबिक संसद कोई फ्री–स्टाइल मुकाबला नहीं है, बल्कि इसमें नियम और अनुशासन का पालन जरूरी है। शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 हटाना देश की सुरक्षा और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार था। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया को स्पष्ट संदेश गया कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। साथ ही कोविड–19 से लड़ाई में केंद्र, राज्य और जनता के सहयोग से भारत ने बड़ी सफलता हासिल की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति के लिए बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया। विष्णुपद मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने बताया कि राष्ट्रपति ने पूजा स्थल पर पिंडदान और जल तर्पण किया। पत्रकारों से बात करते हुए विट्ठल ने कहा, राष्ट्रपति ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए फल्गु नदी के तट पर और विष्णुपद मंदिर में पिंड दान और जल तर्पण किया। ऐसा माना जाता है कि पिंड दान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल पितृ पक्ष के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू श्रद्धालु अनुष्ठान करने के लिए विष्णुपद मंदिर आते हैं। इससे पहले गयाजी हवाई अड्डे पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और राज्य मंत्री प्रेम कुमार ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। अधि िकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति की गयाजी यात्रा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

विपक्ष ने देश की क्षमता को दबाया, युवाओं का भविष्य छीना- पीएम मोदी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए हमे सभी क्षेत्रों में एकसाथ काम करना होगा और अब हम जब जानते है कि विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत सो होकर गुजरता है। इसलिए हमें याद रखना है कि हम जो भी खरीदे स्वदेशी खरीदे, हम जो भी बेचे वो स्वदेशी हो। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मैं सभी दुकानदारों से आग्रह करता हूं कि आप अपनी दुकानों पर एक पोस्टक लगाए, जिसमें लिखा हो कि गर्व से कहो ये स्वदेशी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब देश को अपने जहाज

निर्माण (शिपबिल्डिंग) को मजबूत करना चाहिए था, तब कांग्रेस सरकारों ने विदेशी जहाज किराए पर लेना ज्यादा बेहतर समझा। पीएम मोदी ने कहा कि इसके कारण भारत का अपना शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम लगभग खत्म हो गया और विदेशी जहाजों पर निर्भरता मजबूरी बन गई। उन्होंने कहा कि करीब 50 साल पहले भारत का लगभग 40% व्यापार अपने ही जहाजों के जरिए होता था, लेकिन अब यह घटकर सिर्फ 5: रह गया है। पीएम मोदी ने कहा कि इसका मतलब यह है कि आज भारत को अपने 95: व्यापार के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे देश को भारी आर्थिक नुकसान होता है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इसे आत्मनिर्भर भारत के रास्ते में बड़ी रुकावट बताया और देश को फिर से समुद्री शक्ति बनाने की दिशा में कदम उठाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो आत्मनिर्भरता ही एकमात्र रास्ता है।

जनता तक पहुचेंगे दो लाख करोड़ रुपये : वित्त मंत्री

चेन्नई, (एजेंसी)। देशभर में नए जीएसटी दरों को लेकर चर्चा तेज है। 22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है। ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर इन नए दरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों के कारण देश के लोगों के हाथ में लगभग दो लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिससे घरेलू खर्च और खपत बढ़ेगी।तमिलनाडु फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएसन के 80वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि जीएसटी की दरों को चार स्लैब से घटाकर अब केवल दो स्लैब

किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इससे खासकर गरीब, मध्यम वर्गीय परिवार और छोटे–मध्यम उद्योग को फायदा मिले।सीतारमण ने कहा कि इस सुध ाार के बाद सामान की कीमतें कम होंगी, जिससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई साबुन ज्यादा मात्रा में खरीदता है, तो निर्माता उत्पादन बढ़ाएगा, जिससे रोजगार बढ़ेंगे और सरकार को अधिक टैक्स मिलेगा। यह एक सकारात्मक चक्र है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। इस दौरान वित्त मंत्री ने ये भी बताया कि जीएसटी लागू होने से पहले टैक्स देने वाले उद्यमियों की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर आलोचना करने की बात पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, बल्कि इसने टैक्स आधार बढ़ाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने किसी उत्पाद पर ज्यादा टैक्स नहीं लगाया है और अब जो कटौती हो रही है वह सही और लोगों के हित में है। निर्मला सीतारमण का कहना है कि जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और गरीब, मध्यम वर्ग व एमएसएमई को राहत मिलेगी।

वायनाड के लोगों ने मेरी रक्षा की : राहुल गांधी

केरल, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिर से वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास एक हाइड्रोजन बम सबूत है, जो पूरी सच्चाई को सामने लाएगा और साबित करेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की। उन्होंने वायनाड में कहा, हम एक हाइड्रोजन बम लाने जा रहे हैं, जो स्थिति को पूरी तरह तहस–नहस कर देगा। हम जो कह रहे हैं, उसके हमारे पास स्पष्ट प्रमाण हैं। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा हूं। हमारे पास सौ फीसदी जानकारी है कि जो कुछ हुआ है, वह सामने आने वाला है। उन्होंने अपने पिछली दो प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा, हमने महादेवपुरा और आलंद में मतदाता की गलत तरीके से जोड़ी और हटाई गई जानकारी दिखाई है। हम इसे इस तरह दिखाएंगे कि भारत में कोई भी यह शक नहीं करेगा कि नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर चुनाव जीता है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयोग (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर श्वोट चोरों की रक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्नाटक के आलंद

विधानसभा क्षेत्र से छह हजार मतदाताओं के नाम हटाने की जांच चुनाव आयोग के प्रमुख के खिलाफ एक स्पष्ट आरोप है।उन्होंने कहा, हमने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में काले और सफेद (ब्लैक एंड व्हाइट) में सबूत पेश किए। कर्नाटक में सीआईडी जांच चल रही है। सीआईडी ने वोट चोरी में इस्तेमाल फोन नंबरों की जानकारी मांगी है। ज्ञानेश कुमार ही वह सीईसी हैं, जिनकी कर्नाटक सीआईडी जांच कर रही है। इससे बड़ा आरोप चुनाव आयोग के प्रमुख पर नहीं हो सकता। यह मेरा बयान नहीं, बल्कि तथ्य है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका हाइड्रोजन बम प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा होगा, तो उन्होंने कहा कि मीडिया का काम अटकलें लगाना है, जबकि काम अपना कार्य करना है।

पीएम मोदी से आश्वासन दिलवाकर भी छुट्टा पशुओं की समस्या हल नहीं कर पाई भाजपा : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को छुट्टा पशुओं से छुटकारा नहीं दिलवा सकी है जबकि इसके लिए मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से आश्वासन दिलवाया गया था। छुट्टा पशुओं से किसान परेशान हैं। गौशालाओं की दुर्दशा है। वहां पर भी गायें सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा के लोग गौशाला के लिए आने वाला चारा बेचकर घोटाला कर रहे हैं। उनका

दूध और गोबर बेंच रहे हैं। जब गायों की मौत हो जाती है तो उन्हें वहीं गड्ढा खोदकर दफना दे रहे हैं। जनता छुट्टा जानवरों से परेशान है पर सरकार आश्वासन देने के बाद भी उन्हें राहत नहीं दिला सकी है। उन्होंने कहा कि जो हाल गायों का है वही नदियों का है। नदियों के लिए जारी होने वाला बजट साफ हो गया नदियों की हालत वैसी ही है। अखिलेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर बनी फिल्म को लेकर तंज सकते हुए कहा कि ये तो फ्लॉप होने से पहले ही फ्लॉप हो गई...। फिर पूछा कि इसमें डायलॉग्स बीप के साथ हैं या नहीं? फिल्म में मुकदमा वापस लेने वाली बात है कि नहीं और जिस वजह से मुकदमे लगे वो दृश्य हैं या नहीं? बुलडोजर वाला सीन पता नहीं है कि नहीं? उसमें कार पलटने वाला सीन है या नहीं? इसमें डिप्टी सीएम के पर्दे के पीछे वाले डायलॉग हैं या नहीं? अखिलेश यादव ने अमेरिका में एच1बी वीजा की दरें बढ़ाने पर कहा कि केंद्र सरकार की विदेश नीति फेल है। इस सरकार की आर्थिक नीति फेल है। भाजपा के लोग नहीं चाहते हैं कि भारत के लोग पढ़ने या फिर नौकरी करने के लिए अमेरिका जाएं। ये लोग चाहते हैं कि सिर्फ बंदूक चलाने के लिए ही लोग बाहर जाएं। जब भाजपा की सरकार जाएगी तभी एच1बी वीजा वालों को राहत मिलेगी।

4 इंजन वाली सरकार राजधानी की सुरक्षा में फेल : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को शहर के स्कूलों को बार–बार बम की धमकियाँ मिलने पर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार की आलोचना की। पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक साल में स्कूलों को बार–बार बम की धमकियाँ मिलने के बावजूद, अभी तक किसी को पकड़ा नहीं गया है। केजरीवाल ने लिखा कि दिल्ली के स्कूलों को बार–बार बम की धमकियाँ मिल रही हैं। हर जगह दहशत फैल गई है, स्कूल बंद हैं और बच्चों और अभिभावकों में डर फैल रहा है... लेकिन एक साल में न तो कोई पकड़ा गया है और न ही कोई कार्रवाई की गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के सरकारी प्रबंधन की तीखी आलोचना की और इस बात पर जोर दिया कि अभिभावक हर दिन डर के साये में जी रहे हैं। केजरीवाल ने पूछा, चार इंजन वाली

भाजपा सरकार राजधानी की सुरक्षा भी नहीं संभाल पा रही है। माता–पिता हर दिन डर के साये में जी रहे हैं। यह सब कब खत्म होगा?ष् इससे पहले, दिल्ली के विभिन्न इलाकों के कई स्कूलों को आज सुबह फोन कॉल के जरिए बम की धमकियाँ मिलीं। जिन स्कूलों को ये धमकियाँ मिलीं उनमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल थे। एहतियात के तौर पर, छात्रों और कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाल लिया गया। धमकियों के बाद, पुलिस दल और बम निरोधक दस्ते तुरंत स्कूलों में भेजे गए। लक्ष्यित स्कूलों में से एक, डीपीएस द्वारका ने आज अपना स्कूल बंद कर दिया है और श्अपरिहार्य परिस्थितियोंश का हवाला देते हुए उस दिन होने वाली मध्यावधि परीक्षाएँ स्थगित कर दी हैं। डीपीएस द्वारका के सर्कुलर में कहा गया है, ष्प्रिय अभिभावकगण, कृपया ध्यान दें कि अपरिहार्य कारणों से आज यानि शनिवार, 20 सितंबर 2025 को स्कूल बंद रहेगा। सभी स्कूल बसों और निजी वैनध्कैब को तुरंत वापस भेजा जा रहा है। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों को लेने के लिए स्टॉप पर अवश्य पहुँचें। यदि निजी बसें चलाने वाले अपने बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं, तो उनके अभिभावकों को उन्हें लेने आना होगा। आज होने वाली मध्यावधि परीक्षाएँ स्थगित कर दी गई हैं।

संपादकीय

ड्रोन और ड्रग्स

यह अच्छी बात है कि केंद्र की राजग सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकारों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को भरपूर समर्थन का वायदा किया है। हालांकि, यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता है, जब तक कि अंतर्राष्ट्रीय साजिश से नशे के संकट को झेल रहे राज्यों में सबसे संवेदनशील पंजाब के हालात पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। पंजाब में सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के कारोबार की साजिश से पंजाब किस हद तक त्रस्त है, इस सप्ताह की शुरुआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की 2024 की रिपोर्ट से वह भयावह तसवीर उभरती है। एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान से इस सीमावर्ती राज्य में आये ड्रग्स से लदे ड्रोनों के देखे जाने और बरामद होने की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि देखी गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चिंता जतायी है कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के लिये ड्रोन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। इन हालात को देखकर कानून प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के हाथ–पांव फूल रहे हैं। दरअसल, चिंता की बात यह है कि ड्रग तस्करी करने वाले गिरोह जोखिम भरे पारंपरिक जमीनी तरीके अपनाने के बजाय हवाई मार्ग से तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। यह स्थिति कितनी विकट है नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पेश आंकड़ों से यह पता चलती है। एनसीबी के अनुसार पिछले साल भारत–पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की तस्करी के 179 मामले दर्ज किए गए, जिसमें सबसे अधिक 163 मामले पंजाब में थे। उसके बाद राजस्थान में पंद्रह और जम्मू–कश्मीर में एक मामला सामने आया। इससे इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि बरामदगी की बहुत ज्यादा घटनाओं के बावजूद पंजाब सीमा पार के नशे तस्करों के लिये सबसे अच्छा विकल्प बना हुआ है। नशा तस्करों के खतरनाक मंसूबे देखिए कि हाल में पंजाब में बाढ़ के दौरान नशा तस्कर आपदा में अवसर तलाशते रहे। इन आपराधिक तत्वों ने हाल में आई बाढ़ का फायदा उठाकर नावों और टायर–ट्यूबों के जरिये भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की है। इसके साथ यह भी चिंताजनक स्थिति है कि विदेशी गैंगस्टर नशीले पदार्थों के देश के तस्करों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस संकट को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जो पंजाब के लोगों के लिये जानलेवा साबित हो रहा है। राज्य में, देश में पकड़ी गई हेरोइन का 45 फीसदी बरामद होना पंजाब की नशे की दलदल की गहराई को दर्शाता है। वहीं राज्य में पिछले साल 2.9 करोड़ नशे की गोलियां बरामद होना बताता है कि नशे का संकट कितना भयावह हो चला है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में 51 लाख नशे की गोलियां बरामद की गई। पहले व दूसरे नंबर का अंतर भी स्थिति की विकटता को ही दर्शाता है। विडंबना यह है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के युवा हेरोइन और कोकीन के तस्करों के लिये आसान निशाना बन रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कुछ महीने पहले सही ही कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट अब केवल व्यक्तिगत लत तक सीमित नहीं रहा, ।

सऊदी-पाक समझौता और भारत की फिक्र

कमलेश

एक बात ने भारत में पर्यवेक्षकों का ध्यान खींचा है, कि 'दोनों में से किसी भी देश पर हुए आक्रमण को दोनों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा।' इससे कुछ लोग इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी परिस्थिति से जोड़ रहे हैं। सच यह है कि दोनों देशों के बीच यह समझौता लंबी बातचीत का परिणाम है। संभावना इस बात की है कि यूएई और बहरीन जैसे देश भी इस समझौते में शामिल हो सकते हैं। इस समझौते के ठीक पहले इस्लामिक देशों का एक संयुक्त सैनिक–बल बनाने की दिशा में भी पहल शुरू हुई है। यों तो इस समझौते पर काफी समय से काम चल रहा था, लेकिन हाल ही में कतर पर हुए इस्राइल के हमले के बाद इस पर हस्ताक्षर होने से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस्राइल

यह समझौता पश्चिम एशिया के बदलते हालात में काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भारत के खिलाफ नहीं है। और वस्तुतः पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच साठ के दशक से चली आ रही अनौपचारिक रक्षा–साझेदारी औपचारिक हो गई है। इसके साथ ही इन दोनों देशों के अमेरिका, इस्राइल और चीन के अलावा ईरान और तुर्की के साथ रिश्तों की पेचीदगियों को समझने की जरूरत भी होगी। साथ ही हाल में कतर पर हुए इस्राइली हमले के बाद की गतिविधियों पर भी नजर डालनी होगी। इस समझौते के बारे में अभी तक ज्यादा विवरण सामने नहीं आए हैं, लेकिन इसमें कही गई एक बात ने भारत में पर्यवेक्षकों का ध्यान खींचा है, कि 'दोनों में से किसी भी देश पर हुआ आक्रमण को दोनों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा।' इससे कुछ लोग इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी परिस्थिति से जोड़ रहे हैं। सच यह है कि दोनों देशों के बीच यह समझौता लंबी बातचीत का परिणाम है। संभावना इस बात की है कि यूएई और बहरीन जैसे देश भी इस समझौते में शामिल हो सकते हैं। इस समझौते के ठीक पहले इस्लामिक देशों का एक संयुक्त सैनिक–बल बनाने की दिशा में भी पहल शुरू हुई है। यों तो इस समझौते पर काफी समय से काम चल रहा था, लेकिन हाल ही में कतर पर हुए इस्राइल के हमले के बाद इस पर हस्ताक्षर होने से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस्राइल की बढ़ती आक्रामकता और अमेरिकी रक्षा वायदे के कमजोर नजर आने के कारण यह पहला बड़ा रक्षा समझौता है जिस पर किसी अरब देश ने किसी परमाणु–सशस्त्र राष्ट्र के साथ हस्ताक्षर किए हैं। पूछा जा सकता है कि क्या इस समझौते के भारत की सुरक्षा से जुड़े निहितार्थ नहीं होंगे? भारत के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, 'सरकार को इस बात की जानकारी थी कि यह घटनाक्रम, जो दोनों देशों के बीच एक दीर्घकालिक समझौते को औपचारिक रूप देता है, विचाराधीन है। जाहिर है कि सऊदी अरब ने भारत को इस मामले में 'लूप' में रखा है। बहरहाल, भारत इस घटनाक्रम के राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ–साथ क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन जरूर करेगा। सऊदी अरब और यूएई ने भारत में अरबों डॉलर का निवेश किया है और भविष्य में भारी निवेश की संभावनाएं हैं। इसलिए यह भी स्पष्ट है कि ये देश भारत की सुरक्षा–प्राथमिकताओं को भी समझते हैं। सऊदी अरब के लिए भारत दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, और भारत के लिए सऊदी अरब पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2023–24 में, द्विपक्षीय व्यापार 42.98 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें भारतीय निर्यात 11.56 अरब अमेरिकी डॉलर और आयात 31.42 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब में थे और सऊदी–अरब ने इस घटना की तुरंत निंदा की थी। बाद में, सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल–जुबैर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अचानक पाकिस्तान का दौरा किया। सऊदी अरब ने जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने की ज्यादा कड़ी आलोचना कभी नहीं की। फरवरी, 2019 में पुलवामा आतंकी हमले की निंदा की थी, लेकिन बालाकोट हमलों की निंदा नहीं की थी। इसके साथ ही यूएई ने भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों को ठीक कराने की कई बार कोशिशें कीं और पाकिस्तान सरकार 'यू–टर्न' करती रही। सबसे ताजा प्रकरण 2022–23 का है। पहले खबर आई कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यूएई के चौनल अल अरबिया के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि हम कश्मीर समेत सभी मुद्दों पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ गंभीर बातचीत करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के साथ तीन–तीन युद्ध लड़कर पाकिस्तान ने सबक सीख लिया है। इससे गरीबी, बेरोजगारी और परेशानी के सिवा हमें कुछ नहीं मिला। अब हम शांति चाहते हैं। उसके फौरन बाद मंगलवार 17 जनवरी, 2023 को पाकिस्तान के सरकारी टीवी चौनल पर साक्षात्कार के प्रसारण के फौरन बाद प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि पीएम के बयान को गलत संदर्भ में लिया गया। बातचीत तभी हो सकती है, जब भारत अगस्त, 2019 के फैसले को वापस ले। शरीफ ने अरब चौनल पर कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू कराने में संयुक्त अरब अमीरात महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिसके भारत के साथ बेहतर संबंध हैं। माना जाता है कि दोनों देशों ने फरवरी, 2021 में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी रोकने के लिए सनद् 2003 के समझौते को पुख्ता तरीके से लागू करने की जो घोषणा की थी, उसके पीछे भी यूएई की भूमिका थी। यह बात उन्हीं दिनों अमीरात के वॉशिंगटन स्थित राजदूत युसुफ अल ओतैबा ने कही थी। क्या वजह है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्रियों को बार–बार यू–टर्न लेना पड़ता है? दूसरी तरफ हमें सऊदी–पाकिस्तान रिश्तों की पृष्ठभूमि को भी समझना होगा। 1960 के दशक के अंत में, यमन में मिस्र के युद्ध को लेकर चिंताओं के बीच, पाकिस्तानी सैनिक सऊदी अरब गए थे। 1979 में मक्का की ग्रैंड मस्जिद पर कब्जा हुआ था, तब पाकिस्तान के विशेष बलों ने सऊदी सैनिकों की मदद की थी, इसके साथ ही सैन्य सहयोग और गहरा हो गया। वर्ष 1982 में, दोनों पक्षों ने एक द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग समझौते के माध्यम से सुरक्षा संबंधों को संस्थागत रूप दिया, जिससे सऊदी अरब की धरती पर पाकिस्तानी प्रशिक्षण, सलाहकार सहायता और तैनाती संभव हुई। सऊदी अरब पाकिस्तान निर्मित हथियारों का एक प्रमुख खरीदार है, और पाकिस्तानी कर्मियों ने सऊदी वायु सेना को प्रशिक्षित किया है। दूसरी तरफ पाकिस्तान जब भी आर्थिक–संकट से घिरा है सऊदी अरब ने उसकी मदद की है। अब कहा जा रहा है कि पाकिस्तान अब सऊदी अरब के पैसे से अमेरिकी हथियार खरीद सकेगा, जिसे ट्रंप प्रशासन बेचने को तैयार है। हाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने जब पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर को लंच पर बुलाया।

सरकार के दो पहियों का बिगड़ता संतुलन

अरूण

हर सरकार दो पहियों पर चलती है। एक पहिया होता है जनप्रतिनिधियों का, जिन्हें जनता चुनकर भेजती है और दूसरा पहिया है अफसरों का जो सरकार के निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हैं। जब भी ये सामंजस्य बिगड़ता है, सरकार की गति धीमी पड़ती है। मध्यप्रदेश में इन दिनों कुछ इसी तरह का माहौल बन रहा है। राजनीति में ऐसा कम ही देखा गया कि अफसरशाही का मिजाज मंत्रियों और नेताओं पर हावी हो जाए। सामान्यतः ऐसा होता भी नहीं है। क्योंकि, जो राजनीतिक पार्टी सरकार में होती है, उसके नेताओं की बातों को अफसर भी गंभीरता से लेते हैं। हमारी प्रशासनिक व्यवस्था भी कुछ ऐसी है, जिसमें सामंजस्य का खास ख्याल रखा जाता है। सरकार के मंत्री यदि अफसरों को कोई सुझाव देते हैं या जनहित के किसी काम के निर्देश देते हैं, तो अफसर उसे गंभीरता से लेते हैं और यही स्वाभाविक परंपरा भी है। अब तक यही होता भी आया है। पर, मध्यप्रदेश में पिछले कुछ दिनों से यह तालमेल गड़बड़ा रहा है। कई मंत्रियों और विधायकों को शिकायत है कि उनकी बातों की अनसुनी हो रही है। यदि ऐसी चंद घटनाएं होती, तो उनको अनदेखा किया जा सकता था। लेकिन, जब ऐसा लगातार होने लगा तो यह विरोध रिस कर बाहर आने लगता। सामान्यतः मध्य प्रदेश में ऐसी राजनीतिक स्थिति नहीं होती। कभी इक्का–दुक्का घटना होती भी है, तो वह जन चर्चा का विषय नहीं बनती। किंतु, पिछले कुछ महीनों में कई मंत्रियों की अफसरों के खिलाफ भृकुटी तनी दिखाई देने लगी। अभी डॉ मोहन यादव की सरकार को दो साल ही हुए हैं। ऐसे में सत्ता और प्रशासन में बढ़ती खींचतान सरकार की गति को प्रभावित कर सकती है। जबकि, पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 18 साल के कार्यकाल में ऐसा माहौल नहीं दिखाई दिया। सवाल उठता है कि अब दृश्य बदला क्यों! अफसरों के मंत्रियों के फोन न उठाने, बैठकों में न आने और काम की बातों को अनसुनी करने की शिकायत लगातार सामने आने लगी। सबसे ज्यादा अव्यवस्था हाल ही में किसानों को खाद वितरण के मामले में देखी गई। क्योंकि, इस काम में कई जगह अव्यवस्था हुई और यहां तक कि किसानों पर लाठियां भी बरसाई गई। इस मुद्दे पर अधिकांश जगह मंत्रियों और विधायकों का अफसरों से टकराव हुआ। शिकायतें मुख्यमंत्री तक पहुंचीं और विपक्ष ने भी अफसरों की मनमानी पर निशाना साधा। खाद वितरण का सही इंतजाम न होने और किसानों की नाराजगी सामने आने के बाद भिंड कलेक्टर और वहां के विधायक के बीच सार्वजनिक रूप से कहासुनी हुई। मामला इतना बिगड़ गया कि सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल हुए। निश्चित रूप से यह स्थिति न तो सरकार के लिए उचित है न अफसरों के लिए। दोनों के बीच मामला शांत करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को उतरना पड़ा था। बाद में दोनों ने एक–दूसरे के खिलाफ थाने में भी शिकायत लिखवाई। उसके बाद जो हुआ, वो अलग बात है, पर इससे निश्चित रूप से सरकार की छवि भी प्रभावित हुई और अफसरों ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से लिया। इन हालात के लिए दोनों पक्षों की तरफ से अलग–अलग तरह की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। सत्ता के पक्षधरों का कहना है कि प्रदेश में अफसरशाही बेलगाम होने लगी, वे मंत्रियों की बात नहीं सुनते और विधायकों को तो बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लेते। जबकि, अफसरशाही को सही मानने वालों का तर्क है कि अब नेता ज्यादा उच्छृंखल होने लगे। वे अपनी हर बात मनवाने की जिद करते हैं, फिर भी तार्किक रूप से सही हो या नहीं। अफसरों का यह भी कहना है कि मंत्रियों की हर जिद को स्वीकार करना संभव नहीं होता।

..... विविध .....

मां दुर्गा के 9 स्वरूपों को चढ़ाएं ये खास भोग

शारदीय नवरात्रि का पर्व पूरे भारत में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस साल शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर 2025 से शुरू होकर 1 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। नवरात्रि के इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग–अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। हर दिन मां को उनका प्रिय भोग चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सही भोग अर्पित करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। नवरात्रि के नौ दिन के ये खास भोग।

पहला दिन मां शैलपुत्री

पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। इस दिन मां को गाय के घी से बनी चीजों का भोग लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से सभी रोगों का नाश होता है और सेहत अच्छी रहती है।

दूसरा दिन मां ब्रह्मचारिणी

दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। इस दिन मां को मिश्री और चीनी का भोग अर्पित करना चाहिए। यह भोग चढ़ाने से घर में शांति और सौहार्द बना रहता है।

तीसरा दिन मां चंद्रघंटा

तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। इस दिन मां को खीर का भोग लगाना शुभ होता है। यह भोग चढ़ाने से परिवार में सुख और समृद्धि आती है।

चौथा दिन मां कुष्मांडा

चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा होती है। इस दिन मां को मालपुआ का भोग लगाना चाहिए। इससे परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

पांचवां दिन मां स्कंदमाता

पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है। इस दिन मां को केले का भोग अर्पित करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे संतान सुख की प्राप्ति होती है।

छठा दिन मां कात्यायनी

छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। इस दिन मां को मौसमी फलों का भोग लगाना चाहिए। इससे घर में खुशहाली और अच्छे रिश्ते बने रहते हैं।

सातवां दिन मां कालरात्रि

सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा होती है। इस दिन मां को गुड़ से बनी चीजों का भोग लगाना शुभ माना जाता है। यह भोग चढ़ाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

आठवां दिन मां महागौरी

आठवें दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है। इस दिन नारियल का भोग अर्पित करने से संतान से जुड़ी सभी समस्याएं दूर होती हैं और वैवाहिक जीवन में सुख–शांति आती है।

नवां दिन मां सिद्धिदात्री

नवमी के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन तिल और उससे बनी चीजों का भोग अर्पित करना शुभ माना जाता है। इससे जीवन में सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नवरात्रि का पर्व भक्तों के लिए माता रानी को प्रसन्न करने का अवसर होता है। नौ दिनों तक सही भोग अर्पित करके आप न केवल उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं बल्कि अपने जीवन में सुख, शांति, शक्ति और समृद्धि भी ला सकते हैं। दिन मां को उनका प्रिय भोग चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सही भोग अर्पित करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

काले घेरे अब नहीं इस सब्जी का रस करेगा आंखों को फ्रेश और ग्लोइंग

आंखों के नीचे काले घेरे एक आम समस्या है, जो चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित कर सकती है। डार्क सर्कल्स कई कारणों से हो सकते हैं। जैसे नींद की कमी, बढ़ती उम्र, धूप का ज्यादा असर, धूम्रपान, एलर्जी, तनाव, शरीर में पानी की कमी या त्वचा की सही देखभाल न होना। जब ये गहरे हो जाते हैं, तो लोग अक्सर पूछते हैं कि आप हुए क्यों दिख रहे हैं। अच्छी बात यह है कि कुछ घरेलू उपाय अपनाकर डार्क सर्कल्स को हल्का किया जा सकता है।

डार्क सर्कल्स को कम करने का सबसे आसान उपाय आलू

आलू एक ऐसी सब्जी है जो न केवल खाने में स्वादिष्ट है, बल्कि त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सूजन और पफीनेस कम करते हैं। आलू में मौजूद विटामिन सी, विटामिन बी, कॉपर और प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण आंखों के नीचे के कालेपन को हल्का करने में मदद करते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीका

आलू को कद्दूकस कर उसका रस निकालें।

एक साफ रूई को रस में डुबोकर आंखों के चारों ओर लगाएं।

चाहें तो पूरे चेहरे पर भी लगा सकते हैं।

इसे 15–20 मिनट तक छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

हफ्ते में 2–3 बार ऐसा करने से डार्क सर्कल्स धीरे–धीरे हल्के हो सकते हैं और त्वचा हाइड्रेट रहती है।

डार्क सर्कल्स के अन्य घरेलू उपाय

गुलाबजल– रोजाना आंखों के नीचे गुलाबजल लगाने से त्वचा ठंडी रहती है और डार्क सर्कल्स हल्के होते हैं।

खीरा– अगर ड्राइनेस की वजह से डार्क सर्कल्स हैं तो खीरे के स्लाइस आंखों पर रखें या खीरे का रस लगाएं। यह त्वचा को ठंडक देता है।

दूध और शहद– दूध में शहद मिलाकर डार्क सर्कल्स पर लगाएं। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को पोषण देता है और काले धब्बों को हल्का करता है।

बादाम का तेल– रात को सोने से पहले आंखों के नीचे बादाम का तेल लगाएं। यह त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और डार्क सर्कल्स को कम करता है।

हल्दी और दूध– दूध में हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं। हल्दी त्वचा को निखारती है और कालेपन को घटाती है।

शरीर में दिखें ये लक्षण तो समझें जाएं हार्ट होने वाला है फेल

दिल की बीमारियां आजकल काफी तेजी से बढ़ रही हैं। गलत खानपान, तनाव, प्रदूषण और असंतुलित जीवनशैली की वजह से हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर का खतरा ज्यादा हो गया है। कई बार शरीर पहले से ही हमें संकेत दे देता है, लेकिन हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। अगर समय रहते इन लक्षणों को पहचान लिया जाए, तो बड़ी समस्या से बचा जा सकता है।

सांस फूलना

अगर बिना मेहनत किए या थोड़ी–सी सीढ़ियां चढ़ने या हल्का काम करने पर भी सांस फूलने लगे, तो इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। यह दिल के कमजोर होने और फेफड़ों तक ऑक्सीजन की कमी का संकेत है। हार्ट की मांसपेशियां जब ठीक से ब्लड पंप नहीं कर पातीं, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती और तुरंत थकान व सांस फूलने लगती है। लगातार ऐसा होने पर यह हार्ट फेलियर का शुरुआती लक्षण हो सकता है।

पैरों और टखनों में सूजन

अगर पैरों, टखनों या यहां तक कि पेट में भी सूजन आने लगे, तो यह सिर्फ पानी पीने या ज्यादा देर खड़े रहने की वजह से नहीं होता। दरअसल, जब दिल कमजोर पड़ जाता है और ब्लड पंप करने में दिक्कत आने लगती है, तो शरीर में फ्लूइड जमा होने लगता है। यह फ्लूइड पैरों और टखनों में जमा होकर सूजन पैदा करता है। यह समस्या धीरे–धीरे बढ़ सकती है और इसे नजरअंदाज करना बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

सीने में लगातार दर्द

सीने में भारीपन, दबाव या जलन जैसी परेशानी को अक्सर लोग गैस या एसिडिटी समझकर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन अगर यह समस्या बार–बार हो रही है और आराम करने पर भी ठीक नहीं हो रही, तो

यह हार्ट फेलियर या हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। जब दिल की धमनियों में ब्लॉकेज आ जाता है, तो हार्ट की मांसपेशियों को ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई रुक जाती है और सीने में तेज दर्द या भारीपन महसूस होता है।

लगातार थकान और कमजोरी

अगर बिना मेहनत किए भी हमेशा थकान महसूस हो, तो इसे आलस या कमजोरी समझकर हल्के में न लें। यह दिल के कमजोर होने का स्पष्ट संकेत है। जब हार्ट ठीक से ब्लड और ऑक्सीजन को पूरे शरीर में नहीं पहुंचा पाता, तो मांसपेशियां और अंग कमजोर होने लगते हैं। ऐसे में छोटे–छोटे काम करने पर भी शरीर थक जाता है और लगातार कमजोरी महसूस होती है।

अनियमित धड़कन

दिल की धड़कन का सामान्य रूप से तेज या धीमा होना चिंता की बात नहीं है, लेकिन अगर हार्टबीट अचानक बहुत तेज हो जाए, रुक–रुक कर चले या अनियमित हो जाए, तो यह खतरनाक है। इसे मेडिकल भाषा में अरिदमिया कहा जाता है। यह दिल की इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी के गड़बड़ होने की वजह से होता है और समय पर इलाज न मिलने पर हार्ट फेलियर या स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ सकता है।

बार–बार खांसी

लगातार खांसी आना और बलगम निकलना सिर्फ एलर्जी या सर्दी–जुकाम की वजह से नहीं होता। जब हार्ट कमजोर पड़ता है, तो शरीर में फ्लूइड जमा होने लगता है, खासकर फेफड़ों में। इसकी वजह से फेफड़ों पर दबाव बढ़ता है और सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। नतीजा यह होता है कि बार–बार खांसी आती है और कई बार झागदार बलगम भी निकलने लगता है। यह दिल की बीमारी का छुपा हुआ लक्षण हो सकता है।

बार–बार पेशाब आना

हार्ट फेलियर में शरीर अतिरिक्त फ्लूइड को बाहर निकालने की कोशिश करता है। इस वजह से खासकर रात में बार–बार पेशाब आने की समस्या बढ़ जाती है। यह लक्षण कई बार किडनी या शुगर की बीमारी से भी जुड़ा हो सकता है, लेकिन अगर इसके साथ ऊपर बताए गए अन्य लक्षण भी दिख रहे हों, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है।

कब कराएं जांच?

अगर आपको एक साथ ये कई लक्षण महसूस हों जैसे सांस फूलना, पैरों में सूजन, चेस्ट पेन, धड़कनों का अनियमित होना और थकान तो इसे नजरअंदाज न करें। तुरंत कार्डियोलॉजिस्ट से संपर्क करें और ईसीजी, ईको, ब्लड टेस्ट या स्ट्रेस टेस्ट जैसी जांच करवाएं। समय रहते सावधानी बरतना आपकी जान बचा सकता है।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में दिए सख्त दिशा-निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शक्ति भवन स्थित सभागार में विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में ऊर्जा मंत्री ने 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान वाले फीडरों पर प्राथमिकता से स्मार्ट मीटर लगाने, बिजली चोरी रोकने, विजिलेंस की कार्यवाही को प्रभावी बनाने, पुराने कुशल संविदाकर्मियों की जगह अकुशल कर्मियों की नियुक्ति की जांच कराने और आगामी त्योहारी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के विस्तृत दिशा–निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सबसे पहले उन फीडरों पर कार्रवाई की जाए, जहां 50 प्रतिशत से अधिक बिजली चोरी हो रही है। इन फीडरों पर स्मार्ट मीटर लगाने को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे न केवल बिजली

चोरी रोकी जा सकेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को पारदर्शी बिलिंग की सुविधा भी मिलेगी।विजिलेंस टीमों को प्रभावशाली ढंग से काम करने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि कार्रवाई केवल उन्हीं फीडरों पर होनी चाहिए जहां वास्तविक नुकसान है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि गरीब और छोटे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न न सहना पड़े। विजिलेंस की कार्रवाई पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए, और टीम अपनी मर्जी से छापेमारी न करे।बैठक में ऊर्जा मंत्री ने हाई लॉस एरिया में समय पर ट्रांसफार्मर बदलने और मरम्मत सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जहां 90 प्रतिशत उपभोक्ता बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं, वहां भी मरम्मत और ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य समयबद्ध तरीके से होना चाहिए, ताकि 10 प्रतिशत ईमानदार उपभोक्ताओं को दिक्कत न हो।आगामी नवरात्रि, दशहरा और दीपावली जैसे पर्वों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मंत्री ने अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने और सभी आवश्यक तैयारी समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान अंधेरा या बिजली कटौती किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं होगी।बैठक के अंत में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत विभाग की।

राज्य संग्रहालय लखनऊ में "स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा" के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य संग्रहालय लखनऊ, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025) के अंतर्गत आज जिला स्तरीय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा और निदेशक राज्य संग्रहालय लखनऊ के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, पौधारोपण और श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए।कार्यक्रम में लखनऊ के लगभग 400 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इसमें राजकीय विद्यालय निशातगंज, विद्या मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज नरही, राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज, सहाय सिंह बालिका इंटर कॉलेज, एमकेएसडी इंटर कॉलेज, सरस्वती कन्या इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल रहे। प्रतियोगिताएं जूनियर और सीनियर वर्ग में आयोजित की गईं।मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार पी. राजू ने वृक्षारोपण कर स्वच्छता ही सेवा में योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉक्टर सृष्टि धवन, निदेशक उत्तर प्रदेश संग्रहालय निदेशालय, लखनऊ, और डॉ. विनय कुमार सिंह, निदेशक राज्य संग्रहालय लखनऊ, सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में यश चतुर्वेदी ने प्रथम पुरस्कार, वैभव सिंह ने द्वितीय और प्रशांत मौर्य ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में प्राजंलि मिश्रा ने प्रथम, शिवम तिवारी ने द्वितीय और अंशिका गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया।स्लोगन प्रतियोगिता में रोहित कुमार गौतम ने प्रथम, सुरभि ने द्वितीय और पलक कश्यप ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

संक्षिप्त खबरें

ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स की निदेशक श्रीमती वंदना सराफ "वीमेन ऑफ विजन अवॉर्ड 2025" से सम्मानित

लखनऊ प्रत्यूष पाण्डेय। ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स की निदेशक श्रीमती वंदना सराफ को जीजेसीदृजीजेएस द्वारा ज्वेलबज के सहयोग से प्रस्तुत वीमेन ऑफ विजन अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर उन्हें यह सम्मान सीएनबीसी 18 कमोडिटीज

की हेड मनीषा गुप्ता द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन महिलाओं को समर्पित है जो अपने नेतृत्व, इनोवेशन और समर्पण से ज्वेलरी उद्योग में असाधारण योगदान दे रही हैं। श्रीमती सराफ को उनके प्रेरणादायी कार्य, दूरदर्शिता और उद्योग को सशक्त बनाने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया है। उनके नेतृत्व में ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स ने गुणवत्ता, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता की नई पहचान बनाई है। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान की सराहना है बल्कि पूरे उद्योग में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है।

लखनऊ में राज्य ललित कला अकादमी की आमंत्रित कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित आमंत्रित कला प्रदर्शनी का शुभारंभ आज अपराह्न 5 बजे लाल बारादरी, कैसरबाग स्थित अकादमी की कला दीर्घा में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने दीप प्रज्वलित कर किया।माननीय मंत्री संस्कृति एवं पर्यटन जयवीर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में आमंत्रित कलाकारों श्री भारत भूषण शर्मा की "गजाननम्" और सुश्री प्रतिमा पाण्डेय की "अनाहत नाद – राम" शीर्षक कृतियाँ प्रदर्शित की गईं।

उत्तर प्रदेश में 34 जिलों में भूकंप और औद्योगिक आपदा मॉ क एक्सरसाइज आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आज 34 जिलों की 157 तहसीलों में "भूकंप, औद्योगिक (रासायनिक) और आग के खतरे" पर एक साथ राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। यह अभ्यास सुबह 10 बजे राज्य नियंत्रण कक्ष से शुरू हुआ, जिसमें सभी जिलों ने अपने जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों और तहसील स्तर पर निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के तहत आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को सक्रिय किया।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब लखनऊ में सरकारी, अर्द्धसरकारी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और

रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को दक्ष और सक्षम बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू के संरक्षण और अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में 15 से 19 सितंबर तक कई विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हुए। इनमें मत्स्य पालकों के लिए राज्य स्तरीय तीन दिवसीय आवासीय बीआईओएलओसी–मत्स्य पालन कार्यक्रम, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की वार्डेन हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अधिकारियों के लिए अग्नि आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल रहे।17 सितंबर को मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर बुद्धा सभागार में विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर समस्त प्रशिक्षणों के प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया, जहां विषय–विशेषज्ञों ने प्रासंगिक मुद्दों पर उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानिदेशक संस्थान एल. वेंकटेश्वर लू ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों में भारत चरित्र निर्माण संस्थान नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष राम कृष्ण गोस्वामी, प्रख्यात शिक्षाविद एवं पूर्व वरिष्ठ सदस्य लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य तथा पूर्व संयुक्त निदेशक एवं राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर उमेश चंद्र जोशी उपस्थित रहे।राम कृष्ण गोस्वामी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के जीवन से प्रेरणा लेकर कर्मयोगी बनने का आह्वान किया। डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य ने प्रशिक्षकों के लिए सॉफ्ट स्किल, नेतृत्व क्षमता और टीम बिल्डिंग की भावना को आवश्यक बताया और कहा कि निष्ठापूर्वक व ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारी सुखमय जीवन जीते हैं।

पीडीए–मतलब पाखंड ,धोखा, अत्याचारी : दानिश आजाद अंसारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर यूपी सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने रविवार को स्थानीय डाक बंगले पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि वक्फ बोर्ड बिल का हम स्वागत करते हैं जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं वो लोग ये बताए कि आज तक इस संपत्ति का कितना प्रयोग गरीब और मजलूम मुस्लिम महिलाओं और समाज के लोगों के लिया किया गया।सरकार फैसला बिल्कुल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अल्पसंख्यक कल्याण समाज का लाभ सीधे लाभार्थीओ को मिल रहा है जिससे विपक्ष बौखलाया है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पीडीए का मतलब पाखंड धोखा और अत्याचारी है जो जनता अब समझ चुकी है। राहुल गांधी के वोट चोरी के मामले पर उन्होंने कहा कि चुनाव में लगातार मिल रही हार से अब इनका सुर बदल गया है अभी तक ये ईवीएम की बात करते थे अब ये वोट चोरी का मुद्दा बना रहे हैं। पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन में मंत्री दानिश आजाद ने कहा कि पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ाने वाले मोदी जी को सुनने को देश की जनता हमेशा बेताब रहती चाहे भारत की विदेश नीति हो या सुरक्षा की बात हो सभी मामलों में देश को एक जुट कर भारत आगे बढ़ रहा है। भारत पाकिस्तान के मैच को लेकर उन्होंने कहा कि चाहे खेल का मैदान हो या जंग का मैदान हो भारत ने हमेशा पड़ोसी देश पाकिस्तान को धूल चटाने में देरी नहीं किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवनपर बनी फिल्म अजेय के विरोध पर कहा कि ये फिल्म योगी के जीवन पर बनी है।उससे प्रेरणा लेने की जरूरत है न कि विरोध करने का अल्पसंख्यक समुदाय समाज में कैसे आगे बढ़े और देशभकी उन्नति में कैसे आगे बढ़े इसपर सबको मिलकर काम करना चाहिए न कि किसी के फिल्म का विरोध करके मुस्लिम महिलाओं को लड़कों को आगे बढ़ाने के लिए सोच पर बात करने की आवश्यकता है। यूपी हज कमेटी के चेयरमैन का पद ग्रहण करने वाले दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि अगले वर्ष मुसलमान मानो को हज यात्रा के दौरान बेहतर से बेहरत सुविधा कैसे मिले हम लोग इस पर कार्य योजना बनाने में जुटे है। क्यूंकि मुस्लिम समुदाय के जीवन में ये सबसे बड़ी धार्मिक यात्रा होती है जो किसी सपने से कम नहीं है ऐसे में हज यात्राओं को 45 दिन के बजाय 20 दिन में हज के सारे अरकान कैसे पूरा हो इसपर मंथन किया जा रहा है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष का मोर्चा मेराज हैदर के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने मंत्री दानिश आजाद अंसारी का जोरदार स्वागत किया।

संक्षिप्त खबरें

उप मुख्यमंत्री मौर्य का मीडिया को संदेश लोकतंत्र मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका सर्वोपरी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार और मीडिया लोकतंत्र के सहयात्री हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। सरकार और जनता के बीच संवाद को सार्थक और सकारात्मक बनाने में मीडिया का योगदान अनुपम है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य का उपयोग भारत को और मजबूत, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने में करें।श्री मौर्य यह बातें राजस्थान पत्रिका के संस्थापक कर्पूर चंद्र कुलिश की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार "भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिकारू अवसर और चुनौतियां" में बोलते हुए कही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और उप मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।अपने प्रेरक उद्बोधन में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक भारतीय के रोम–रोम में लोकतंत्र रचा–बसा है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की खूबियों और इसे मजबूत बनाए रखने में जनमानस के योगदान की सराहना की। उन्होंने बताया कि देश के सामने जब भी चुनौतियां आईं, समाज के सभी स्तंभों, पत्रकारों और मीडिया संस्थानों ने भरपूर सहयोग दिया। आपातकाल के दौरान भी मीडिया ने समाज को जागृत और सचेत करने में अपनी भूमिका निभाई।इसके अलावा श्री मौर्य ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने हेतु सरकारी प्रयासों की जानकारी साझा करते हुए स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने सेवा पखवाड़ा और विकसित भारतदृ विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न नगर पालिका परिषदों में उपनिर्वाचन की अधिसूचना जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में नगर पालिका परिषदों के रिक्त पदों पर उपनिर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी है। इस उपचुनाव में कुल पाँच सदस्य पद और एक अध्यक्ष पद पर मतदान होना है। ललितपुर जिले की नगर पालिका परिषद ललितपुर में अध्यक्ष पद, अमेठी जिले की नगर पालिका परिषद जायस के वार्ड संख्या 14 में सदस्य, बिजनौर जिले की नगर पालिका परिषद हल्दौर के वार्ड संख्या 13 में सदस्य, उन्नाव जिले की नगर पालिका परिषद उन्नाव के वार्ड संख्या 26 में सदस्य, गाजीपुर जिले की नगर पालिका परिषद जमनियाँ के वार्ड संख्या 01 में सदस्य तथा मेरठ जिले की नगर पालिका परिषद सरधना के वार्ड संख्या 15 में सदस्य का उपचुनाव होगा।निर्वाचन अधिसूचना के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया 19 से 29 सितम्बर, 2025 तक प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक होगी। 30 सितम्बर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी, जबकि 03 अक्टूबर को नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक होगी। 06 अक्टूबर को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। मतदान 15 अक्टूबर, 2025 को प्रातः 07:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक होगा और मतगणना 17 अक्टूबर को प्रातः 08:00 बजे से प्रारंभ की जाएगी। उपनिर्वाचन की सभी प्रक्रिया संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा जिला मुख्यालय या तहसील मुख्यालय पर निर्धारित स्थानों पर संपन्न कराई जाएगी।

ऑनलाइन गेमिंग में फंसते युवाओं के बढ़ते जोखिम पर कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने जताई चिंता

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज के धनुवासाड़ गांव में सुरेश यादव के पुत्र यश यादव द्वारा ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद आत्महत्या की दुखद घटना के बाद आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय जी मृतक के आवास पर पहुंचे और परिजनों से गहरी संवेदना व्यक्त की।इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए अजय राय ने कहा कि रोजगार की कमी और आर्थिक दबाव के कारण देश के युवा ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में धन कमाने की लालच में फंस रहे हैं। लगातार गेम खेलने के कारण युवाओं का ध्यान पढ़ाई से हट रहा है और अधिक ध न हार जाने की स्थिति में वे तनाव और डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो कई बार उन्हें आत्महत्या तक ले जा रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ समय पहले लखनऊ के छोटा भरवारा, गोमती नगर निवासी रवीन्द्र प्रताप सिंह के पुत्र सिद्धार्थ प्रताप सिंह ने भी इसी तरह ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसकर अपनी जान दे दी थी।अजय राय ने सरकार पर आरोप लगाया कि ऑनलाइन गेमिंग पर स्पष्ट नियम नहीं बनाए जा रहे हैं और इस क्षेत्र में सख्त निगरानी का अभाव है। उनका कहना था।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पीलीभीत में किया विभागीय समीक्षा और विकास कार्यों का निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को पीलीभीत पहुंचे। उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें संजय सिंह गंगवार, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, जिलाध्यक्ष सजीव प्रताप सिंह, स्थानीय विधायकगण, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र और पुलिस अधीक्षक ने किया।उप मुख्यमंत्री ने बकैनिया पूरनपुर स्थित साक्षी फाउंडेशन श्री गुरू आशीष आश्रम में स्वामी प्रेम सुगंध महाराज से भेंट की। इसके बाद गांधी सभागार में जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पशुपालन, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, सिंचाई, कृषि, वन, शिक्षा, राजस्व, सेतु निगम सहित अन्य विभागों की प्रगति पर चर्चा हुई।केशव प्रसाद मौर्य ने गौ संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने गौ आश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने, सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त करने, गोचर भूमि में नैपियर घास लगाने और गौवंश के खाने–पीने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरनपुर–बरेली और पूरनपुर–खटीमा मार्गों सहित अन्य सड़कों के निर्माण कार्य समय पर पूर्ण करने और पर्यटन स्थलों के विकास हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए।उप मुख्यमंत्री ने नहरों की सिल्ट सफाई, कटान से हुए नुकसान का सर्वे कर मुआवजा वितरण, नगर पालिकाध्नगर पंचायतों में सीवेज व्यवस्था, पुराने पुलों का सर्वे और कार्ययोजना बनाने, काशीराम आवास का आवंटन, बकाया गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित कराने है ।

कृषि मंत्री शाही ने किसानों की कल्याण योजनाओं और कृषि विकास पर की समीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि भवन के सभागार में कृषि क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और किसान कल्याण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, वित्तीय एवं भौतिक प्रगति, उर्वरकों की उपलब्धता, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, और विकसित कृषि संकल्प अभियानदृ रबी 2025 के तहत किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने तथा कृषि उपकरणों पर जीएसटी छूट के लाभों की जानकारी दी।मंत्री शाही ने बताया कि किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। अब तक कृषि क्षेत्र के लिए 3193.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिसमें से 1784.42 करोड़ रुपये (55.88 प्रतिशत) का व्यय हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस व्यय की गति बढ़ाई जाए, ताकि किसानों को इसका लाभ समय पर मिल सके।उर्वरक उपलब्धता पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। सहकारिता विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि आलू, तिलहन और गन्ने की बुवाई को देखते हुए डीएपी और एनपीके उर्वरक तत्काल पैक्स सोसाइटियों तक पहुंचाया जाए।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत इस वर्ष 21.07 लाख किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया है, जो पिछले खरीफ सीजन की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक है। बाढ़ प्रभावित जिलों में सर्वे कार्य शुरू हो गया है ताकि प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा दिया जा सके।विकसित कृषि संकल्प अभियानदृरबी 2025 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक 15 दिवसीय आयोजित होगा और 6725 स्थानों पर किसानों के साथ संवाद किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आगामी वर्ष 6 दिसंबर, 2026 को समाप्त होने वाले विधान परिषद के पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों के कार्यकाल के मद्देनजर इन निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया है। अर्हता तिथि 1 नवम्बर, 2025 को निर्धारित किया गया है और पुनरीक्षण कार्यक्रम 30 सितंबर, 2025 से प्रारंभ होगा। इस निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर, 2025 को किया जाएगा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की रिक्त सीटों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद–झांसी शामिल हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की रिक्त सीटों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली–मुरादाबाद और गोरखपुर–फैजाबाद शामिल हैं। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए 30 सितंबर को सार्वजनिक नोटिस जारी होगा। 15 अक्टूबर को समाचार पत्रों में इसका प्रथम पुनर्प्रकाशन और 25 अक्टूबर को द्वितीय पुनर्प्रकाशन किया जाएगा। फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर है। 20 नवंबर को पांडुलिपियों की तैयारी और निर्वाचन नामावलियों का मुद्रण होगा। निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 25 नवंबर को होगा। दावें–आपत्तियां 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक दाखिल की जा सकेंगी और 25 दिसंबर तक उनका निस्तारण कर अनुपूरक सूची तैयार की जाएगी।स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने के लिए आवेदक को अर्हता तिथि से कम से कम तीन वर्ष पूर्व स्नातक होना आवश्यक है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन हेतु आवेदक को 1 नवम्बर अर्हता तिथि से पहले राज्य के माध्यमिक स्तर के शैक्षिक संस्थानों में पिछले छह वर्षों में तीन वर्ष का शिक्षण कार्य किया होना चाहिए।स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों का विस्तार इस प्रकार हैरू लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली और प्रतापगढ़य वाराणसी में बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर और सोनभद्रय आगरा में आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद और कासगंजय मेरठ में बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली और हापुड़य इलाहाबाद–झांसी में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी और ललितपुर शामिल हैं।शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का विस्तार इस प्रकार हैरू लखनऊ में लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली और प्रतापगढ़य वाराणसी में बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर और सोनभद्रय आगरा में आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद और कासगंजय मेरठ में बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली और हापुड़य बरेली–मुरादाबाद में बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर और संभलय गोरखपुर–फैजाबाद में बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी और अंबेडकर नगर।स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए लखनऊ का रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मंडलायुक्त लखनऊ, मेरठ के लिए मंडलायुक्त मेरठ, आगरा के लिए मंडलायुक्त आगरा, वाराणसी के लिए मंडलायुक्त वाराणसी और इलाहाबाद–झांसी के लिए मंडलायुक्त झांसी होंगे। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए लखनऊ मंडलायुक्त लखनऊ, मेरठ मंडलायुक्त मेरठ, आगरा मंडलायुक्त आगरा, वाराणसी मंडलायुक्त वाराणसी, बरेली–मुरादाबाद मंडलायुक्त बरेली और गोरखपुर–फैजाबाद मंडलायुक्त गोरखपुर होंगे। संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी अपने निर्वाचन क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी इस प्रक्रिया में शामिल होंगे।

शारदीय नौरात्रि के पहले दिन उमडी भक्तो की भीड़

अयोध्या। सोमवार को शारदीय नवरात्रि के पहले दिन भोर से देर रात तक बड़ी देवकाली मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों पर या देवी सर्वभूतेषु शक्ति–रूपेण संस्थित,नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमरू।,सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तुते,सहित माता के की भजन,आरती तथा घंटा घड़ियालों की आवाज से आसपास का वातावरण भक्तिमय हो रहा था।शहर के बड़ी

देवकली मंदिर के अलावा मां पाटेश्वरी मंदिर, शीतला माता मंदिर, मरी माता मंदिर,ललिता देवी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, हड्डी माता महारानी मंदिर, छोटी देवकाली, गुरगाई मंदिर,मां जालपा माता मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों के साथ–साथ अन्य देवी देवताओं के मंदिरों पर भर से ही मां की भक्तों की भीड़ देखी गई जो देर रात तक बनी रही।बताते चलें इस बार शारदीय नवरात्रि 27 वर्षों बाद पूरे 10 दिनों तक पढ़ रहा है।इन मंदिरों पर मां के भजनों से आसपास का वातावरण भक्तिमय दिखाई दे रहा था।इन मंदिरो पर भक्तो की लंबी कतार लगी थी जो माता रानी की एक झलक पाने के लिए काफी व्याकुल दिखाई दे रहे थे। माता रानी के जयकारों से मंदिर परिसर के अलावा आसपास का वातावरण गूंज रहा था। इन मंदिरों पर सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा चकाच उपाय किए गए थे खासकर मिशन शक्ति पीठ पर भारी जहां अपने–अपने क्षेत्र में स्थित मंदिरों पर सादे व पुलिस वर्दी में भक्त जनों के बीच दिखाई दे रही थी वही पर्याप्त संख्या में इन मंदिरों पर सुरक्षा कर्मी भी तैनात रहे।

बढ़ती उम्र रोकने के लिए अनुशासित दिनचर्या जरूरी : प्रो. रिजवी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विज्ञान संकाय द्वारा दीक्षोत्सव 2025 व्याख्यानमाला शृंखला के अंतर्गत प्रमुख वक्ता के रूप में प्रोफेसर सैयद इब्राहीम रिजवी, विभागाध्यक्ष, बायोकैमिस्ट्री, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अपना व्याख्यान मानव जीवन काल को बढ़ाना वास्तविकता या भ्रम विषय पर दिया। प्रो. रिजवी ने कहा कि मानव जीवनकाल को बढ़ाने का विषय हमेशा से ही विज्ञान, चिकित्सा और समाज के लिए चर्चा का कारण रहा है। उन्होंने इस जटिल और दिलचस्प प्रश्न को विद्यार्थियों को सोचने और इस पर विचार करने के लिए कहा जिसमें शोध के नये आयाम जुड़ सके। सवाल न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे समाज, संस्कृति और व्यक्तिगत जीवनशैली पर भी असर डालता है। इसमें हम सही जीवनशैली एवं अनुशासित दिनचर्या को अपनाकर लंबा एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। उन्होंने बताया कि भोजन में ऊर्जा का नियत मात्रा से थोड़े कम ऊर्जा लेने पर एवं अच्छी नींद लेने पर लंबा जीवन शैली हो सकती जो बढ़ती उम्र को रोकने में कारगर उपाय हो सकता है। अतिथि को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह द्वारा कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने सम्मानित किया और अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय में शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने के बारे में बताया। स्वागत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेश शर्मा , संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय ने किया। डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम और इसके उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। अतिथि का जीवन परिचय शोध छात्रा मंजूषा सिंह ने पढ़ा। डॉ. एसपी तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। संचालन डॉ संजीव मौर्य ने किया। कार्यक्रम के उपरांत अतिथि द्वारा पौधरोपड़ भी किया ।

संक्षिप्त खबरें

पीड़ित परिवार की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक पहुंचने का काम करेंगे : रागिनी सोनकर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बीते 25 अगस्त को नगर कोतवाली थाना अतर्गत मछली शहर पड़ाव पर बारिशक दौरान करंट की चपेट आने से हुई तीन लोगों की मौत को लेकर सपाई नेता जिला प्रशासन पर लगातार हमलावर हो रहे हैं और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे।इसी कड़ी में सोमवार को डाक बगले में पत्रकारों से बात करते हुए सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा कि इस मामले में दोषी तीनों विभाग के लोगो के खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए लेकिन अभी तक जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं है और सिर्फ छोटे कर्मचारी को इसका मोहरा बनाया जा रहा है जबकि बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है।पीड़ित प्राची मिश्रा के परिजन लगातार एफआईआर दर्ज कराने के लिए दौड़ रहे हैं।पीड़ित परिवार को बिजली विभाग द्वारा 7.50 लाख रुपए देने की बात कही है लेकिन 5 लाख रुपए दिए गए हैं।प्राची के परिवार के लोगों ने पैसा नहीं लिया है।हम माग करते हैं कि इनको उचित पैसा दिया जाय और इनको एक नौकरी दिया जाए।पीड़ित परिवार की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक पहुंचने का काम करेंगे।साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार को को आर्थिक सहायता प्रदान किया।हम सरकार से मांग करते हैं इनको न्याय दिलाए और उचित मुआवजा दिलाए।जिससे इनके आगे का भविष्य बनाया जा सके।इस मौके पर प्रदेश सचिव सुशील दुबे ,उषा जायसवाल,श्रवण जायसवाल आदि लोग मौजूद रहे।वही इस मौके पर पीड़ित परिवार के लोग भी मौजूद रहे।

अग्निशमन मानक के अनुरूपी ही करें पंडाल का निर्माण – एमपी सिंह

अयोध्या। नवरात्रि प्रारंभ होने के बाद से जिले में अधिकतर जगह सोमवार से पंडालों मेओ दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित हो जायेगी।दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना पंडालों में न उत्पन्न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन के साथ–साथ अग्निशमन विभाग भी दुर्गा पूजा एवं रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों से अपील किया है कि वे सभी अग्निशमन मानक के अनुसार ही पंडालों का निर्माण कराये।क्योंकि निरीक्षण में कुछ पंडाल ऐसे भी पाये जा रहे हैं जो अग्निशमन मानक पर खड़े नहीं उतर रहे हैं।वहाँ के पदाधिकारियों से सीएफओ एमपी सिंह तथा एफएसओ प्रदीप कुमार पांडे ने अपील किया है कि अभी भी समय है इन जगहों पर अग्निशमन विभाग के मानक के अनुसार पंडाल का निर्माण कराये।अग्निशमन के अधिकारियो ने दुर्गा पुजवा रामलीला कमेटी के पदाधिकारी से अपील किया कि किसी भी दशा में पण्डाल 03 मीटर से कम ऊँचाई का न लगाया जाय।पण्डाल के चारो तरफ 4.5 मीटर खुला स्थान होना चाहिए, जिससे किसी भी आकस्मिकता पर लोग सुरक्षित बाहर निकल सकें।पण्डाल बिजली की लाइन के नीचे किसी भी दशा में न लगाया जाय।कोई भी पण्डाल रेलवे लाइन, बिजली के सब स्टेशन, चिमनी या भट्ठी से कम से कम 15 मीटर दूरी पर लगाया जाय।बाहर निकलने का रास्ता गुफा की तरह नहीं होना चाहिए।निकास हेतु कम–से–कम दो रास्ते पर्याप्त चौड़ाई के होने चाहिए, जिससे किसी आपातकाल में एक रास्ता अवरूद्ध हो जाने पर दूसरे रास्ते से निकला जा सके। जहां तक हो सके दोनों रास्ते एक दूसरे के विपरीत दिशा में हों।कुर्सियां किनारे से 1.2 मीटर जगह छोड़कर लगायी जाए व बाहर कुर्सियों के बाद 1.5 मीटर की जगर छोड़ी जाए एवं इसके बाद पुनः बाहर कुर्सियां लगायी जा सकें।कुर्सियों की 10 कतारों के बाद 1.5 मीटर की जगह छोंड़ी जाए।बिजली की व्यवस्था विद्युत कार्य के लाइसेंसधारी ठेकेदारों से ही कराई जाए व तारों के जोड़ किसी भी दशा में खुले नहीं होने चाहिए व एम०सी०बी०ई ई०एल०सी०बी० का उपयोग किया जाय। विद्युत की आग से सुरक्षा हेतु एक सीओटू टाइप एक्सटिंग्यूसर व एबीसी टाइप एक्सटिंग्यूसर मेन मीटर और स्टेज के पास लगाया जाय।पण्डाल या अस्थायी निर्माण में जहाँ तक सम्भव हो सिन्थेटिक सामाग्री का प्रयोग न किया जाये।किसी भी अग्निदुर्घटना पर टेलीफोन नम्बर–101, 112, 9454418709 पर तत्काल सूचना दें।

टनकपुर हाईवे पर जाम लगाकर किया विरोध प्रदर्शन, हिंदू संगठन के जिलाध्यक्ष समेत दो गिरफ्तार

पीलीभीत, (संवाददाता)। पीलीभीत में पंडरी की गोशाला संचालक से मारपीट और अन्य ध ाराओं में दर्ज मुकदमे के विरोध में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार दोपहर टनकपुर हाईवे पर जाम लगाकर हंगामा किया। सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलने के बाद सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर और कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। हाईवे से न हटने और जाम लगाने पर विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ दिन पूर्व न्यूरिया थाने में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष यसवंत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि यसवंत सिंह ने पंडरी स्थित गोशाला में जाकर गोशाला संचालक प्रधान के पुत्र के साथ अभद्रता और मारपीट की। संगठन के लोग मुकदमे का विरोध कर रहे थे। शनिवार को जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में दो अन्य संगठनों के लोग एकत्रित हुए। विरोध करते हुए टनकपुर हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने समझाने का प्रयास किया। न मानने पर मुकदमे के नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें जिला अध यक्ष यसवंत सिंह समेत दो अन्य लोग शामिल हैं। वहीं हंगामे के चलते करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा, जिससे वाहन चालक भी परेशान हो गए।

स्वदेशी सामान को प्राथमिकता दें-दिनेश टंडन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के आह्वान पर जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल स्वदेशी वस्तुओं के जन जागरण कार्यक्रम आयोजित करेगा तथा व्यापारियों को इस आंदोलन में सम्मिलित होने का निवेदन किया जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष दिनेश टंडन ने उपयुक्त बातें सूत्तहटी बाजार स्थित जिला कैंप कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में कहीं उन्होंने देश हित में स्वदेशी सामान अपनाओ का निवेदन किया तथा विशेष कर महिलाओं और युवाओं से खरीदारी करते समय विशेष ध्यान देने का आग्रह किया तथा सभी तहसीलों और बाजारों में व्यापारियों को जागरूक करने की बात कही, प्रेस वार्ता में उपस्थित जौनपुर नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने अमेरिका द्वारा लगाये जा रहे हैं प्रतिबंधों से बचने के लिए विदेशी सामानों का प्रयोग ना करने तथा फ्लिपकार्ट और अमेजॉन के द्वारा ऑनलाइन खरीद से भी लोगों को दूरी बनाने की बात कही, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के साथ–साथ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल इस आंदोलन में सभी व्यापारियों से सहयोग की अपील करता है मीडिया से बात करते हुए प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर ने कहा कि विदेशी सामान प्रयोग करने से देश कमजोर होता है और अपने देश को मजबूत करने के लिए स्वदेशी सामान प्रयोग करना चाहिए, युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने पत्रकारों से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के साथ–साथ पूरे भारत में स्वदेशी सामान का प्रयोग करने का व्यापारियों के साथ आम जनता से निवेदन किया, व्यापारियों को जागरूकता के लिए व्यापारियों के प्रतिष्ठानो पर स्टिकर लगाकर स्वदेशी अपनाओ का निवेदन भी किया गया, प्रेस वार्ता में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, नगर महामंत्री उत्तरी मनोज कुमार साहू, नगर महामंत्री दक्षिणी मुन्नालाल अग्रहरि, युवा जिला अध्यक्ष संतोष अग्रहरि फार्मेसी युवा जिला महामंत्री शिशिर गुप्ता आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्मानित पत्रकार बंधुओ का स्वागत नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने किया आभार जिला महामंत्री रामकुमार साहू ने व्यक्त किया।

पूर्वांचल की आस्था का केंद्र माता शीतला के दरबार में नवरात्रि के पहले दिन हजारों लोगों ने किया दर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। नवरात्र शुरू होते ही हर जगह माता के दर्शन को श्रद्धालूओं की भीड़ उमड़ पड़ी है लेकिन जौनपुर में नवरात्र के दिन का खास महत्व होता है द्य जौनपुर में स्थित माता शीतला चौकिया का दर्शन पूर्वांचल के लोंगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है।ये भी मान्यता है कि किसी को माँ विन्ध यवासिनी का दर्शन करना है तो उसके पहले माँ शीतला का दर्शन जरूरी है उसके बाद ही माँ विन्ध यवासिनी के दर्शन का महत्व है। लोगों की आस्था इस बात से भी देखी जा सकती है कि दिल्ली, मुम्बई जैसी जगहों से यहा माँ के दर्शन को खिंचे चले आते हैं। पूर्वांचल के लोगो की आस्था का केंद्र माँ शीतला चौकिया धाम में यू तो हर समय दर्शनार्थियों का आना जाना लगा रहता है लेकिन नवरात्र के अवसर पर यहाँ हजारो की संख्या में लोग अपनी मनोकामना लेकर माता के दर्शन को आते है।लोगो की मन्यता है की माता शीतला का दर्शन करने के बाद ही माँ विन्ध्यवासिनी का दर्शन किया जाता है। सुबह से ही भक्तों का सैलाबद्ध लाइन लगाकर माँ शीतला चौकिया की एक झलक पाने के लिए ललायित दिख रहे है ।माँ शीतला के भक्तों की श्रद्धा यहा तक है कि वे अपने बच्चों के मुन्डन संस्कार के लिए दिल्ली मुम्बई कोलकाता आदि शहरों में बसे लोग खिंचे चले आते हैं। माता शीतला की महिमा से हर किसी को इतनी श्रद्धा है कि यहा खड़ा हर श्रद्धालू अपनी–अपनी मनोकामना की पूर्ती के लिए हाथ जोड़ घंटों बैठे प्रार्थना करता रहता है। माता के दर्शन को आने वालों का विश्वास इतना अटल है कि उनको पता है यहा आने का मतलब हर मनाकामना की पूर्ति होना है। स्थानीय आशीष माली ने बताया कि हर वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष यहां श्रद्धालु ज्यादा आए हैं माता के दरबार में जो कोई आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। मंदिर के पुजारी शिव कुमार ने बताया कि यह इस नवरात्र को वासंती नवरात्र कहते हैं इसमें बासंतिक रोगों से मुक्ति मिलती है मां हमारी हर रोगों से रक्षा करें हमारे कच्चे कांटे हैं ऐसी धारणा लेकर लोग यहां मां के दरबार में आते हैं यहां यह मान्यता है कि लोग अपने आप दूर से जिले अपने आप खिंचे चले आते हैं ऐसी मान्यता है कि बिना इनके दर्शन किए विंध याचल मैहर कड़े कहीं भी जाएं वह दर्शन अधूरा मान जाता है। इसलिए इनकी मान्यता अधिक है लोग पहले यहां दर्शन करके पूजा अर्चना करके जैसे जिसकी मनौती होती है फिर यहां से वह कहीं और जाते हैं। यहां प्रशासन द्वारा मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। दर्शन करने पहुंची श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां की मान्यता बहुत ज्यादा है हम लोग भी मन्नत मांगते हैं तभी मन्नते हमेशा पूरी होती हैं दर्शन करके बहुत खुशी हुई की करुणा के कारण भी हम लोगों को दर्शन मिल गया है कोई तकलीफ नहीं है सारी सुविधा दी गई है हम लोग जब से मुंबई से आए हैं हम लगभग रोज मंदिर दर्शन करने आते हैं मां शीतला की खासियत यह है माता जागरूक है। बहुत दूर–दूर से लोग देश–विदेश से यहां दर्शन करने आते हैं जो लोग इन को मानते हैं वह जरूर आते हैं हम लोग मुंबई से नवरात्र में दर्शन करने आए हैं । –हजारो साल पुराने इस पौराणिक मंदिर में हर साल हजारो की संख्या में श्रद्धालु आते है और माता के दरबार में कढाई चढाते है और बच्चो का मुंडन संस्कार भी कराते है द्य ऐसी मान्यता है कि मंदिर के पास बने तालाब में नहाने से कुष्ट जैसे रोग से छुटकारा मिल जाता है ।अगर आप को माँ विन्ध्यवासिनी के दर्शन को जाना हो तो उससे पहले जौनपुर की माता शीतला चौकिया के दर्शन जरुरी है।

संक्षिप्त खबरें

'पूर्व प्रधानाध्यापक के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर'

'शाहजहांपुर' गुरु जी के अचानक निधन से गांव समेत क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।विकास क्षेत्र ददरौल के ग्राम इटौरा निवासी सेवानिवृत्त पूर्व प्रधानाध्यापक एवं पूर्व प्रधान सरल स्वभाव के धनी विकास पुरूष ठाकुर शिवराज सिंह ने एक कुशल शिक्षक के साथ राजनीति के क्षेत्र में जिले में अपनी अलग पहचान बनाई, जबकि एक शिक्षक के लिए राजनीति में भाग लेने के लिए समय निकालना एक चुनौती पूर्ण होता है लेकिन आपने फिर भी बच्चों के हितों को सर्वोपरि मानते हुए अपनी पूरी सेवा काल में शिक्षण कार्य को ससमय व सुचारू रूप से सकारात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने का कार्य किया। साथ ही उन्होंने छात्रों के विकास का मार्गदर्शन प्रशस्त करते हुए सदैव अपने सहकर्मियों व अविभावकों के साथ सहयोग की भावना से काम किया। कहा गया है कि शिक्षक ज्ञान का सागर होता है जो हमें ज्ञान की ओर ले जाता है। जीवन जीने के लिये एक दिशा दिखाता है और बच्चों के अंदर अज्ञानता के अंधकार को दूर करना,जात– पात एवं भेदभाव से परे ये सभी गुण गुरु जी के अंदर समाहित थे। बच्चों के प्रति असीम लगाव रखना उनका प्रथम गुण था। कई बार उन्होंने बच्चों को जिले स्तर पर विभिन्न खेलों एवं अन्य प्रतियोगिताओं में सम्मिलित करा कर उन्हें स्थान दिलाकर पुरस्कृत कराने का काम किया। बच्चों को भी अपने गुरु जी से काफी लगाव था। ज्यादातर लोग उन्हें गुरु जी के नाम से ही संबोधन करते थे ,और उनका बेहद सम्मान करते थे। गुरु जी के नाम से प्रसिद्ध मृदुभाषी,सरल स्वभाव सभी के दिलों पर राज करने वाले ठाकुर शिवराज सिंह ने शिक्षक संघ के अध्यक्ष पद पर रहकर अपनी कार्यकुशलता एवं निडरता से सदैव शिक्षकों की समस्याओं को शासन ध्रशासन के समक्ष प्रमुखता से प्रस्तुत कर उनकी समस्याओं का निराकरण कराने में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर शिवराज सिंह राजनीति के क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री के सलाहकारध्सांसद स्व0 कुँवर जितेन्द्र प्रसाद के अति करीबी रहे एवं पूर्व विधायक कोविद कुमार सिंह एवं पूर्व विधायक मानवेन्द्र सिंह तथा पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिनेश पाल सिंह उर्फ मुन्ना सिंह आदि राजनीतिक सहयोगी साथियों सहित एक कुशल शिक्षक के साथ–साथ राजनीति के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाकर अपनी जिले में अलग पहचान बनाई। आपको बता दें कि विकास पुरूष ठाकुर शिवराज सिंह का बीते मंगलवार को निधन हो गया था वह अपने पीछे धर्मपत्नी सहित दो विवाहित पुत्र और दो विवाहित पुत्रियों को छोड़कर स्वर्गलोक सिधार गए। उनका बड़ा बेटा राजीव सिंह वर्तमान में खाद्य निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं और उनका छोटा बेटा रोहित सिंह एडवोकेट एवं भाजपा में सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी के प्रति समर्पण भाव सहित माननीय जितिन प्रसाद केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार के अति करीबी विशेष समर्थक के रूप में लोगों के सुख दुःख में हर समय खड़े रहने वाले के सिर से पिता का साया उठ जाने से परिवार सहित सभी शोकाकुल हैं। विकास पुरुष के निधन से पूरे गांव में मातम छा गया और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी अंतिम यात्रा (संस्कार) में उनकी आत्मा की शांति के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी। उनके अच्छे कार्य एवं सदव्यवहार को याद कर सभी की आँखें नम दिखाई दीं। आज वह लोगों के बीच नहीं रहे फिर भी उनकी समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठा लोगों के प्रति हमदर्दी ,उनकी उदारता सभी के प्रति सहयोग की भावना रखने वाले गुरु जी सदैव याद किये जायेंगे।

बुजुर्ग के इलाज में लापरवाही बीमार को सड़क पर लिटाकर लगाया जाम

गोरखपुर, (संवाददाता)। मरीज के परिजन के साथ पहले दुर्व्यवहार और फिर इलाज करने से मना करने पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को हंगामा हो गया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 90 वर्षीय बीमार महिला को गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन पर लिटाकर जाम लगा दिया। अचानक हुए हंगामे से न सिर्फ अस्पताल परिसर बल्कि सड़क पर भी अफरा–तफरी मच गई। बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। परिजन बुजुर्ग को लेकर घर लौट गए। देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र के कौसर सरया निवासी राजकली देवी (90 वर्ष) को ब्रेन स्टोक के कारण परिजनों ने राजकीय मेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती कराया था। वहां से डॉक्टर ने शुक्रवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। यहां मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी वार्ड नंबर 11 लेकर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर मरीज की

जांच कर रहे थे, जिसका एक परिजन वीडियो बनाने लगा। आरोप है कि डॉक्टरों ने मोबाइल छीन लिया और परिजनों को वार्ड से बाहर निकलने को कहा। इसी को लेकर परिजनों व डॉक्टरों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि हाथापाई की नौबत आ गई। अन्य मरीजों के तीमारदारों ने बीच बचाव कराया। इसके बाद नाराज डॉक्टरों ने राजकली देवी का इलाज करने से इन्कार कर दिया। पहले दुर्व्यवहार और फिर इलाज से इनकार से आक्रोशित परिजन मरीज को उठाकर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गेट के बाहर फोरलेन पर ले गए और सड़क पर लिटाकर जाम लगा दिया। इस दौरान सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान एक अन्य मामले में मेडिकल कॉलेज में ही मौजूद सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह को जानकारी हुई तो वे गुलरिहा पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद मेडिकल कॉलेज में ही इलाज कराने का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार का मामला नया नहीं है। शायद ही कोई महीना ऐसा बीते, जब वार्ड में ड्यूटी कर रहे जूनियर डॉक्टर किसी मरीज या परिजन के साथ मारपीट न करते हों। हर बार विवाद केवल इलाज को लेकर ही होता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।